Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to ensure availability of fodder for bovines in the country.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): मोदी जी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार किसानों की आय को दुगुना करने के लिए कृत संकल्पित है और इस क्रम में सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। फसल बीमा योजना आसान ऋण की उपलब्धता, लागत का 1.5 गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य, इ मार्केट का निर्माण और उत्पादों की डिजिटल तरीके से बिक्री, किसान सम्मान योजना, विभिन्न सिंचाई योजनाएं व जल प्रबंधन पशु एवं चारा प्रबंधन इत्यादि अनेक ऐसे उपाय हैं जिनके माध्यम से सरकार किसानों की आय दुगना करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है परन्तु जलवायु परिवर्तन और अन्य कारणों से कृषि जोखिम वाली है और विपरीत परिस्थिति में पशुपालन ही किसान की आय का प्रमुख स्त्रोत रह जाता है, कृषि के साथ-साथ पशुपालन को बढ़ावा देने से निश्चित रूप से किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। बुंदेलखंड सहित देश के अनेक हिस्सों में छुटटा गौवंश जिसको बंदेलखंड में अन्ना प्रथा कहा जाता है, एक विकराल समस्या है। इसका प्रमुख कारण है कि देशी नस्लों की दुग्ध उत्पादकता बहुत कम है और चारे का प्रबंधन नहीं हो पाता इसलिए गोवंश को चरने के लिए खुला छोड़ना उनकी मजबूरी हो जाती है। कम दुग्ध उत्पादकता होने के कारण गौवंश किसानों के लिए अनुपयोगी हो जाता है और ये किसानों की आय में वृद्धि में अपना योगदान नहीं दे पाते हैं। यदि गोवंश के लिए चारे की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित कर दी जाए तो किसानों को गौवंश चरने के लिए खुला नहीं छोड़ना पड़ेगा और गौवंश की अच्छी तरह से देखभाल हो सकेगी तथा गौवंश का गोबर व मूत्र का प्रयोग भी किसान खेती में कर सकेंगे जिससे उनकी खेती की लागत में कमी आएगी और आय में वृद्धि हो सकेगी । जिस प्रकार सरकार ने खाद्य सुरक्षा को अधिनियम के माध्यम से अपनाया है उसी तरह सभी प्रकार के गौवंश के लिए भी खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता है और यह तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब गौवंश को चारा उपलब्ध कराने में बहु आयामी लाभ प्राप्त होते हैं। अतः

आपके माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूँ कि सभी प्रकार के गौवंशें की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए।